‘कस्तूरबा के नाम : आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएं’ विषय पर हिंदी विश्वविद्यालय में 04-05 अक्टूबर 2017 को स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्धा, दि. 27 सितंबर 2017 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 04 एवं 05 अक्तूबर को ‘कस्तूरबा के नाम: आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएं’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रथम सत्र ‘कस्तूरबा गांधी : ‘बा’ बनने की अंर्तकथा’ पर होगा। कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी संयोजक शरद जायसवाल करेंगे तथा स्वागत वक्तव्य संगोष्ठी समन्वयक एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक द्वारा दिया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गांधीवादी लेखक एवं अध्येता, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर चंद्रा उपस्थित रहेंगे। बीज वक्तव्य स्त्री अध्ययन केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रो. सविता सिंह देंगी। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की विशेष उपस्थिति होगी। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी सह संयोजक डॉ. अवंतिका शुक्ला तथा रिपोर्टिंग एम.फिल. शोधार्थी सुश्री मेघा द्वारा किया जाएगा।

द्वितीय सत्र समानांतर सत्र का होगा जिसमें इस विषय पर चार समानांतर सत्रों के भीतर विभिन्न शोध आलेख पढे जायेंगे।‘04 अक्तूबर की संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा इसमें ‘कस्तूरबा की जीवनयात्रा’ पर आधारित नाट्य प्रस्तुति होंगी।

05 अक्तूबर को तृतीय सत्र ‘आज़ादी के आंदोलन की अदृश्य स्त्रियां’ का संचालन डॉ. सुप्रिया पाठक करेंगी। इस दौरान अध्यक्ष के रूप में प्रो. लता सिंह उपस्थित रहेंगी। ‘अहिंसक आंदोलनों की स्त्रियां’ का संचालन डॉ. अवंतिका शुक्ला करेंगी। इस सत्र में प्रो. तंकमणि अम्मा विभागाध्यक्ष, केरल विश्वविद्यालय अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहेंगी। मुख्य वक्तव्य श्रीमती अरुन्धति ध्रुव मानवाधिकार कार्यकर्ता, लखनऊ द्वारा दिया जाएगा। वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार अरूण त्रिपाठी तथा गांधीवादी कार्यकर्ता रवीन्द्र रूक्मिणी पंढरीनाथ उपस्थित रहेंगे। ‘वर्तमान महिला आंदोलन एवं चुनौतियां’ का संचालन शरद जायसवाल करेंगे। दिल्ली विश्व विद्यालय से आयीं डॉ.साधना आर्या इस सत्र की अध्यक्षता करेगी। वक्ता के रूप में डॉ. धम्मसंगिनी सहायक प्रोफेसर स्त्री अध्ययन विभाग, नागपुर उपस्थित रहेंगी। संगोष्ठी का समापन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में होगा। इस अवसर पर डॉ. रानी बंग एंव श्रीमती कुसुमताई सेवाग्रामा आश्रम वर्धा को कस्तूरबा सम्मान प्रदान किया जाएगा।